pany in the name of Spectrum Power Generation Company has already been established. The promoter agreement is under finalisation. Discussions by the Joint Sector company with Gas Authority of India Limited (GAIL) for a Fuel Supply Agreement and with Andhra Pradesh Electricity Board for a Power Purchase Agreement are in progress.

पावर ग्रिड कारपोरेशन को योजना को पूरा किए जाने के दौरान पारेषण में विद्युत की हानि

991. डा. **जितेन्द्र कुमार जैन** :

श्री राम जेठमलानी : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत महीनों में देश में पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया की स्थापना की गयी है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि पावर ग्रिड कारपोरेशन के क्रियान्वयन के लिए 764 मिलियन डालर की एक परियोजना तैयार की गई है जो सन् 2000 तक पूरी हो जाएगी; और

(ग) यदि हां, तो इस परियोजना के पूरा होने पर विद्युत-पारेषण के दौरान विद्युत की हानि की प्रतिशतता का क्या लक्ष्य रखा गया है तथा इस लक्ष्य और विद्युत पारेषण की वर्तमान हानि में कितना अन्तर है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. वी. रंगैया नायडू : (क) पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड (जो कि पहले नेशनल पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन के नाम से जाना जाता था) को अक्टूबर, 1989 में निगमित किया गया जिसकी आरम्भिक प्राधिकृत शेयर पूंजी 5000 करोड़ रुपए थी ।

(ख) पावर ग्रिड द्वारा एक परियोजना तैयार की गई है जिसमें स्विच यार्ड सहित रामागुंडम हैदराबाद 400 कें. वी. लाइन, दक्षिणी क्षेत्र के लिए एकीकृत भार प्रेषण तथा संचार परियोजना, विध्याचल चरण-I से सम्बद्ध अतिरिक्त पारेषण प्रणाली तथा अनेकों तकनीकी अध्ययन कार्य प्रमुख हैं जिनकी अनुमानित लागत लगभग 764 मिलियन अमेरिकी डालर (लगभग 2368 करोड़ रुपए) है । यद्यपि विश्व बैंक ने 350 मिलियन अमेरिकी डालर (लगभग 1085 करोड़ रुपए) का ऋण स्वीकृत कर दिया है तथा शेष निधियां पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इण्डिया द्वारा अपने आंतरिक संसाधनों सहित अन्य स्त्रोतों के माध्यम से जुटाई जाएंगी । परियोजना को 1999 के अन्त तक पूरा कर लिए जाने की आशा है ।

(ग) अतिरिक्त उच्च वोल्टता नेटवर्क पर पारेषण हानियां बहुत ही कम हैं तथा यह संवितरण का वह पहलू है जिसमें पारेषण तथा वितरण हानियां अत्यधिक मात्रा में होती हैं । प्रस्तावित परियोजना में अतिरिक्त उच्च वोल्टता नेटवर्क को सुदृढ़ बनाया जाना तथा आधुनिक प्रणाली की उन समन्वय तथा नियंत्रण सुविधाओं को कार्यान्वित किया जाना शामिल है जो कि विद्युत प्रणाली के प्रचालन की दक्षता में सुधार करेंगी । परियोजना के घटकों की जटिल प्रकृति को देखते हुए घाटों में की जाने वाली कमी की मात्रा का अनुमान लगा पाना कठिन कार्य है परन्तु कोई भी निश्चित तौर पर यह कह सकता है कि परिष्कृत प्रणाली निश्चित तौर पर पारेषण हानियों को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा ।

ऊर्जा संरक्षण के लिए जनजागरण अभियान

992. **श्री वीरेन्द्र जे. शाह** :

डा. जितेन्द्र कुमार जैन : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में ऊर्जा के स्रोतों, विशेष रूप से विद्युत के संरक्षण के लिए एक जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने कृषि, उद्योग, व्यापारिक स्थापनाओं और घरों में उपयोग की जा रही विद्युत की क्षेत्र-वार प्रतिशतता के ब्यौरे के संबंध में कोई अनुमान लगाया है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने विद्युत के संरक्षण की संभावना वाले क्षेत्रों की पहचान की है; और